केहड़ी गल दा तू गुस्सा वे मनाया

केहड़ी गल दा तू गुस्सा वे मनाया
रोटी क्यों नहीं खहनदा ठाकरा

भूल जा हुन तू दूध मलाईया
मखना दे पेडे ना सोहनिया मिठाईया
असा साग चलाई दा बनाया
रोटी क्यों नहीं खहनदा ठाकरा
केहड़ी.....

मक्की दी रोटी ते साग चलाई दा
जट्टा दे घर ता एहि कुछ खायी दा
छन्ना भरके लस्सी दा ले आया
रोटी क्यों नहीं खहनदा ठाकरा
केहड़ी.....

होया जे कसूर मैनु माफ़ करी ठाकरा
मन विच मेल जेहड़ी साफ़ करी ठाकरा
नी मैं रो रो दुखड़ा सुनाया
रोटी क्यों नहीं खहनदा ठाकरा
केहड़ी.....

Source:

https://www.bharattemples.com/kehdi-gal-da-tu-gussa-ve-manaya-roti-kyu-nhi-kahanda-thakara/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw